Title: Need to set up food processing industries in North Bihar particularly in Sitamarhi District.

श्री न्वल कि्शोर रा्य (सीतामढ़ी) : श्रीमान जी, उत्तर बिहार राज्य में बूढ़ी गंडक व सिकरहना नदी के तट पर बसे चम्पारण, मुज्जफरपुर, खगड़िया, वैशाली और सीतामढ़ी जैसे जिले लगभग प्रति र्वा ही बाढ़ के प्रकोप से नट होते हैं। यहां के कि्सानों ने इस बर्बादी से बचने के लिए व परि्वार के भरण-पो्ाण हेतु मौ्समी फलों के उत्पादन का सहारा लि्या। कठिन परिश्रम और बची-खुची पूंजी लगाकर लीची और आम का उत्पादन शुरू कि्या और एक सीमा तक सफलता भी उन्हें मिली। एक लाख टन लीची का उत्पादन इस क्षेत्र ने कि्या। किन्तु तरोताजा रखने के साधनों के अभाव के कारण यहां 60 से 70 प्रति्शत तक उपज बिना उप्योग के ही नट हो जाती है। लीची और आम को 20 से 25 दिन तक ही रखा जा सकता है अन्यथा वह सड़ कर नट हो जाता है और उत्पादकों को हजारों-लाखों रुप्यों की हानि होती है। यहां खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। परन्तु न ही निजी क्षेत्र में और न ही सरकारी क्षेत्र में अभी तक कोई पहल हुई है। अतः केन्द्र सरकार से मेरा आग्रह है कि इस क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लए रा्ट्रीय स्तर पर योजना तैयार की जाये।